Total Printed Page : 4 **Roll No.....**

DVK-102

नित्यकर्म, देवपूजन एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप

Diploma in Vedic Karmakand (DVK-17)

First Semester, Examination 2019

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

नोट: यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. गणेश पंचायतन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. सन्ध्या किसे कहते है? संन्ध्या के सभी विधानों को लिखिए।

3. दुर्गा पूजन विधान का उल्लेख कीजिए।

4. ब्रह्मचारी के कर्त्तव्यों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने है।

किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए।

1. एकादशी व्रत
2. विवाह संस्कार
3. वेदारम्भ संस्कार
4. गणेश पूजन
5. पर्व
6. कलश स्थापन
7. षोड़शोपचार पूजन
8. पंचदेव

खण्ड-ग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पुरूष सूक्त में कितने मन्त्र हैं?

2. श्री सूक्त के मन्त्रों की संख्या कितनी हैं?

3. सहस्रशीर्षा कौन है?

4. शासनानशने में शासन का क्या अर्थ है?

5. हिरण्यवर्णा किसे कहते हैं?

6. अभिषेक शब्द का क्या अर्थ है?

7. आचमन कितनी बार होता है?

8. पुण्डरीकाक्ष किसे कहते हैं?

9. चन्द्रमा मनसो जातः में जातः पद का क्या अर्थ है?

10. अहोरात्र का क्या अर्थ है?

******